40

*** तितली ***

- आम्रपाली येरेकर

तितली कितनी प्यारी है
ये तो बड़ी मतवाली है
कितने सारे रंग है इसके
रंगबिरंगे पंख है इसके
कभी यहाँ तो कभी वहाँ
ये घूमती डाली डाली है
ये तो बड़ी मतवाली है ॥ १ ॥

फुलवारी में बैठती है जब
नाचती, डोलती, घूमती है जब
पंख उठाके जरा इतराके
मस्त पवन में उड़ती है जब
इसकी अदा निराली है
ये तो बड़ी मतवाली है ॥ २ ॥

कितनी सुन्दर कितनी कोमल
ये हे चंचल ये हे निर्मल
फूल फूल पर डाल डाल पर
बैठ के ये मुस्काती है
इसको छूने को दिल ललचाये
छूलु इसको ये उड़जाये ॥ ३ ॥

दिल कहता है में ये चाहू
खुद तितली बनके आकाश में उड़जाउ ॥ ४ ॥